एवरशाइन

रत्नमाला

अभ्यास पुस्तिका

4

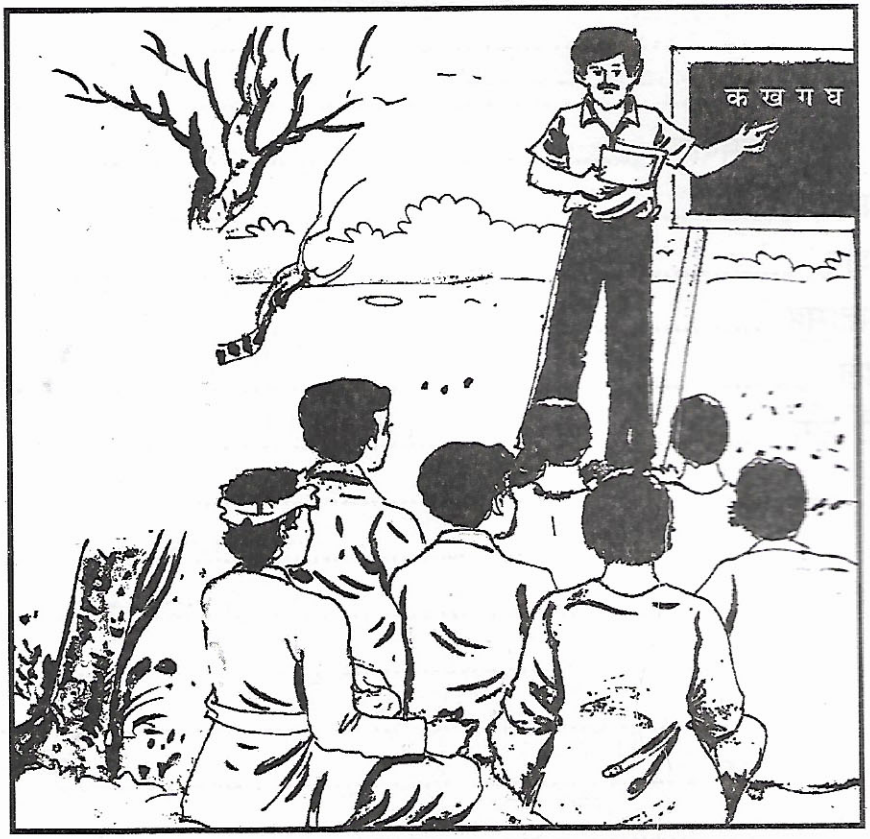

वेदप्रकाश एम.ए. (हिंदी)

एवरशाइन पब्लिशर्ज़
WZ-348, नांगल राया, नई दिल्ली-110046

पुस्तक का कोई भी अंश तथा चित्र किसी भी प्रकार से उद्धृत करना सर्वथा वर्जित है ।
इस पुस्तक की कुंजी, गाइड अथवा किसी भी प्रकार की सहायक पुस्तक छापना वर्जित है ।

प्रकाशक :
एवरशाइन पब्लिशर्ज़
WZ-348, नांगल राया, नई दिल्ली-110046
फोन : 28111758, 28113958, फैक्स : 28112353
E-mail : evershinepub@mantraonline.com

चित्रांकन एवं लेज़र टाइपसैटिंग :
जैन कंप्यूटर

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

विषय-सूची

1. वंदना 3-4
2. गिरिराज हिमालय 5-6
3. टेलीफोन का जन्मदाता 7-8
4. काबुलीवाला 9-10
5. भारत दर्शन 11-12
6. भीष्म पितामह 13-15
7. अंगुलिमाल 16-17
8. दो कपटी ठग 18-19
9. अन्नदाता 20-21
10. मंत्र-तंत्र 22-23
11. मित्रता की परख 24-25
12. चंद्रशेखर आज़ाद 26-28
13. साक्षरता अभियान 29-30
14. अश्वमेध का घोड़ा 31-33
15. राखी की लाज 34-35
16. शरणागत-रक्षक शिवि 36-37
17. परीक्षा 38-39
18. गंगा का सफर 40-42
19. ... और बसंत बगीचे में आ गया 43-44
20. शकुंतला 45-46
21. चेतक 47-48

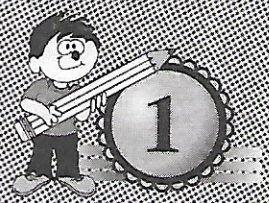

1 वंदना

(क) निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखो :

तजें स्वार्थ, उपकार करें हम,
सबको मन से प्यार करें हम,
दु:ख अपनाकर सुख देने का –
जीवन भर व्यापार करें हम,

.....

.....

.....

.....

.....

(ख) बनाओ :

1. करुणा का सागर कौन है ? .....
2. सबके रोग-दोष कौन हरता है ? .....
3. सबका जीवन मंगलमय कौन करता है ? .....
4. सबका दाता कौन है ? .....
5. सबका माता-पिता कौन है ? .....

(ग) समान अर्थ वाले शब्द लिखो :

1. प्रभु = ...
2. उपकार = ...
3. वर = ...
4. सागर = ...
5. तम = ...
6. जन = ...

(घ) सुंदर लेख में लिखो :

1. विधाता .....
2. करुणा .....
3. स्वार्थ .....
4. स्वतंत्र .....

(ङ) संधि-विच्छेद करके अर्थ भी लिखो :

1.	सूर्योदय	=	सूर्य + उदय	=	उगता सूरज
2.	सूर्यास्त	=	..... + ...	=	.....
3.	परोपकार	=	..... + ...	=	.....
4.	मरणोपरांत	=	..... + ...	=	.....
5.	सर्वोदय	=	..... + ...	=	.....

(च) दोनों खंडों के शब्दों को जोड़कर नए शब्द बनाओ :

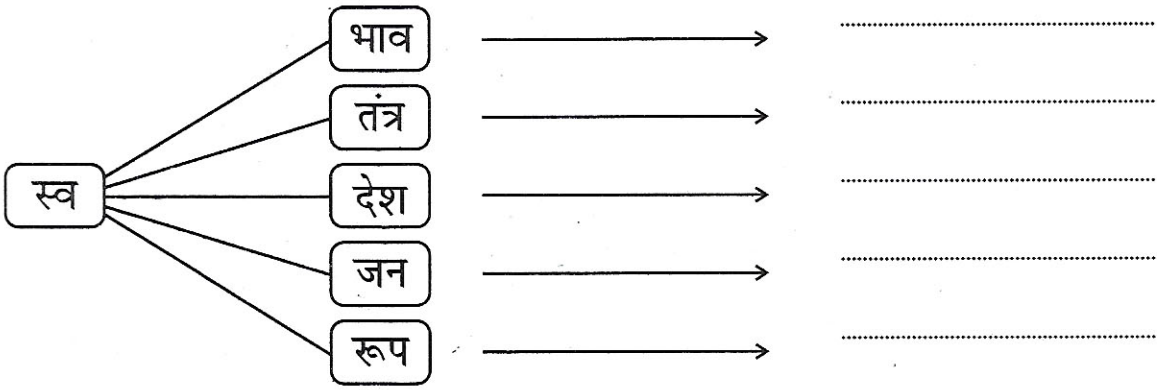

(छ) प्रत्येक समूह में कुछ शब्दों के पर्यायवाची शब्द दिए गए हैं । समूहों का शब्दों से मिलान करो :